कार्यालय से अनुदान तथा मनोरंजन कार्यक्रमों व फिल्म शो के जरिये एकत्रित धन है ।

पतरातू ताप बिजली घर के निर्माण में प्रगति

1355. **श्री रामावतार शास्त्री :**
श्री टी० राम :

क्या **सिंचाई तथा विद्युत** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या उन्हें मालूम है कि यद्यपि पतरातू ताप बिजली घर के निर्माण का कार्य गत 8 वर्षों से चल रहा है फिर भी अब तक क्या आधा कार्य ही हुआ है;

(ख) यदि हाँ, तो उक्त निर्माण में विलम्ब के क्या कारण हैं;

(ग) क्या सोवियत रूस द्वारा सप्लाई किया गया सामान बेकार पड़ा है तथा उस पर जंग लग रहा है; और यदि हां, तो इसके लिए कौन जिम्मेवार है;

(घ) सरकार द्वारा उक्त बिजली घर के निर्माण को पूरा करने के लिये कितना समय निर्धारित किया गया; उसमें से कितने वर्ष बीत चुके हैं तथा इसके निर्माण के पूरा होने में और कितना समय लगने की संभावना है; और

(ङ) उक्त परियोजना पर कितनी लागत का अनुमान था, इसमें से कितनी राशि खर्च हो चुकी है तथा और आगे कितनी राशि व्यय होने की संभावना है ?

सिंचाई तथा विद्युत, मंत्रालय में उपमंत्री (श्री सिद्धेश्वर प्रसाद) : (क) पतरातू ताप विद्युत् केन्द्र के प्रथम चरण में 50-50 मेगावाट के चार ताप यूनिटों का और 100-100 मेगावाट के दो यूनिटों का प्रतिष्ठापन परिकल्पित है । पतरातू ताप बिजली केन्द्र का प्रथम चरण 1962 में आरंभ किया गया था । 50-50 मेगावाट के चार यूनिट चालू किए जा चुके हैं और 100-100 मेगावाट के दो यूनिटों के 1971 में चालू होने की संभावना है ।

(ख) विलम्ब का मुख्य कारण ठेकेदारों द्वारा बार-बार श्रम अशान्ति के कारण कार्यान्वियन में देरी और संभरकों द्वारा गुमशुदा और कम आए माल की डिलिवरी में देरी करना है ।

(ग) जी, नहीं । शेष दो यूनिटों के लिए उपस्कर प्रतिष्ठापित किया जा रहा है ।

(घ) जानकारी नीचे दी जा रही है :

लक्ष्य तिथि			प्रचालन तिथि
पहला यूनिट	जुलाई, 1965	. . .	अक्टूबर, 1966
दूसरा यूनिट	नवम्बर, 1965	. . .	जून, 1967
तीसरा यूनिट	मार्च, 1966	. . .	नवम्बर, 1968
चौथा यूनिट	जुलाई, 1966	. . .	अक्टूबर, 1969
पांचवा यूनिट	फरवरी 1967	. . .	मार्च, 1971 (प्रत्याशित)
छठा यूनिट	अगस्त, 1967	. . . .	सितम्बर, 1971 (प्रत्याशित)

(ङ) मार्च, 1970 के अंत तक प्रत्याशित व्यय 48.89 करोड़ रुपये था । परियोजना की 52.71 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत के प्रति 3.82 करोड़ रुपये की शेष राशि परियोजना को पूर्ण करने के लिए लगाई जानी है ।